नानी की ऐनक

लेखन: **नोनी**

चित्रांकन: **तनया व्यास**

पठन स्तर २

नानी की ऐनक

लेखन: **नोनी**

चित्रांकन: **तनया व्यास**

हिन्दी अनुवाद: **आरती स्मित**

नानी की ऐनक हमेशा गुम हो जाती है। ''मैं कहाँ ढूँढू, मैंने उसे कहाँ रख दिया?'' वह हमेशा कहती रहतीं। अपनी ऐनक के बिना, वह ऐनक नहीं ढूँढ़ सकतीं।

इसलिए उन्हें मेरी ज़रूरत है, उनकी आँखें बनकर उनकी आँखें ढूँढ़ने के लिए!

कभी उनकी ऐनक बाथरूम में, कभी बिस्तर पर तो कभी माथे के ऊपर होती।

''नानी! आपका चश्मा आपके सिर पर है,'' मैं कहती।

''सचमुच! मैं बड़ी बेवकूफ़ हूँ। शुक्रिया ऋचा बेटी!'' वह हँसती हुई कहतीं।

मगर, इस बार नानी की ऐनक मुझे नहीं मिली ...अब तक तो नहीं!

मैंने उसे हर जगह ढूँढ़ा, जहाँ वह अक्सर रखी रहती।

उनके माथे पर, बाथरूम में,
उनकी अलमारी में, पूजा की जगह पर।

उनकी पसंदीदा कुर्सी के नीचे और खाने की मेज़ पर।

नहीं... कहीं नहीं मिली। कहाँ गई वह ऐनक?

मैंने तय किया कि अब मुझे अच्छा जासूस बनना पड़ेगा।
मैंने जानना चाहा कि नानी ने दिन भर में क्या-क्या किया?

''मैंने आज कुछ ख़ास नहीं किया, सिवाय वीणा की सास से बातें करने के।

तुम्हें तो पता ही है कि वह कितनी गप्पी है! हम दोनों ने कई बार चाय पी और वे सारे लड्डू खा गईं जो तुम्हारी माँ ने बनाए थे।'' नानी बोलीं।

राजू ने कहा, ''नानी आज बहुत व्यस्त रहीं। वह अपनी पेन्शन के लिए मुख्यमंत्री को पत्र भी लिख रही थीं।''

अम्मा बोली, ''वह बहुत देर तक तुम्हारी मौसी से बात भी करती रही थीं। उन्होंने उस स्वेटर को भी पूरा किया, जो वह राजू के लिए बुन रही थीं। फिर वह टहलने निकल गई थीं।''

अब मुझे खोज के लिए कई सूत्र मिल गए। मैंने घर में तुरंत ही नई जगहों पर ढूँढ़ना शुरू किया।

''अहा! मुझे ऐनक मिल गई!''

ऐनक ऊन में लिपटी पड़ी थी। उनकी कलम के बगल में, फोन के नीचे, मेज़ के ऊपर। और वहीं पर मुझे आधा खाया हुआ लड्डू भी मिला।

मुझे लगता है कि नानी के अगले जन्मदिन पर एक और ऐनक खरीदने के लिए मैं पैसे जमा कर लेती हूँ।

प्रथम बुक्स २००४ में 'रीड इंडिया' अभियान के अन्तर्गत स्थापित हुई।
'रीड इंडिया' बच्चों में पठन को बढ़ावा देने का देशव्यापी कार्यक्रम है।
प्रथम बुक्स एक ग़ैर-मुनाफ़ा संस्था है जो अनेक भारतीय भाषाओं
में बच्चों के लिये उच्च कोटि की पुस्तकें प्रकाशित करती है।
हमारा ध्येय है 'हर बच्चे के हाथ किताब' पहुँचाना और हम इसके द्वारा
देश भर में बच्चों को किताबों व पठन का आनन्द देना चाहते हैं।
यदि आप इसमें किसी भी तरह से योगदान देना चाहते हैं तो हमें
info@prathambooks.org पर ई-मेल भेजें।

नोनी वह नाम है जिसका उपयोग रोहिणी निलेकनी बच्चों के लिए कहानियाँ लिखते हुए करती हैं। बचपन में वे स्वयं का परिचय इसी नाम से देती थीं। रोहिणी एक लेखिका हैं और एक उदार समाजसेवी भी। वे प्रथम बुक्स की संस्थापक-सभापति रही हैं।

तनया व्यास ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन से एनिमेशन में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उन्हें विभिन्न माध्यमों से नए-नए प्रयोग कर प्रतिदिन कुछ नए और मज़ेदार चित्र बनाना पसंद है। उन्हें भित्ति चित्र बनाना भी पसंद है। उन्हें नई रोचक चित्रकथाएँ तैयार करने का जुनून है और वे अपने आस-पास की चीज़ों से प्रेरणा लेती रहती हैं।

नानी हमेशा अपनी ऐनक कहीं रखकर भूल जाती हैं। कभी-कभी उन्हें ऐनक ढूँढ़ने के लिए एक जासूस की ज़रूरत पड़ती है।

स्तरवार पढ़ना सीखें। पठन स्तर २ की पुस्तक।

PRATHAM BOOKS

प्रथम बुक्स एक ग़ैर-मुनाफ़ा संस्था है जो बच्चों की पढ़ने में रुचि बढ़ाने के लिये अनेक भारतीय भाषाओं में पुस्तकें प्रकाशित करती है।

www.prathambooks.org

Grandma's Glasses (Hindi)

MRP: ₹ 30.00